Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) _____

   (Name) _____

2. (Signature) _____

   (Name) _____

Roll No. | | | | | | | |
(In figures as per admission card)

Roll No. _____
(In words)

Test Booklet No.

D–5908

PAPER–III

LIBRARY AND INFORMATION SCIENCE

Time : 2½ hours] **[Maximum Marks : 200**

Number of Pages in this Booklet : **32** Number of Questions in this Booklet : **26**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answers to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

   No Additional Sheets are to be used.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Test Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the question booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the Test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc. is prohibited.**
10. **There is NO negative marking.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुये रिक्त स्थान पर ही लिखिये।

   इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।**
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें।
8. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पैन का ही इस्तेमाल करें।**
9. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।**
10. **गलत उत्तर के लिए अंक नहीं काटे जायेंगे।**

LIBRARY AND INFORMATION SCIENCE

पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान

PAPER – III

प्रश्न-पत्र – III

NOTE: **This paper is of two hundred (200) marks containing four (4) sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.**

नोट : यह प्रश्न पत्र दो सौ (200) अंकों का है एवं इसमें चार (4) खंड है। अभ्यर्थियों को इन में समाहित प्रश्नों का उत्तर अलग दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है।

SECTION - I
खण्ड – I

Note : This question contains five (5) questions based on the following paragraph. Each question should be answered in about thirty (30) words and carries five (5) marks.

नोट : इस खंड में निम्नलिखित अनुच्छेद पर आधारित पाँच (5) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंकों का है।

(5x5=25 अंक)

Collection managers and library administrators have had no choice but to deal with electronic publications in practical, immediate terms. Indeed they have encouraged the development of electronic resources that are a natural fit for the web and offer library users with Internet capability the freedom to access certain materials 24 hours a day, seven days a week from anywhere in the world.

Publishers, unsure of the economics of electronic publishing, but not wanting revenues and profit margins to decrease, have on the whole been flexible in their approaches, in part because collection managers, believing that they see the light at the end of the tunnel, have begun to demand relief from the incessant and often exorbitant price increases for books and journals.

Collection managers have learned that, by banding together in consortia and even in an international consortium of consortia, they can exercise some control or at least influence over what they pay for electronic journals and electronic reference works – indexes, abstracts, encyclopedias, and dictionaries. The *Encyclopedia Britannica* and the *Oxford English Dictionary* envision a bright electronic future with revenue sources that heretofore were unimaginable. At the same time collection managers are learning to say 'no' when a price or a licensing agreement is unacceptable. But collection managers must exercise caution as copyright laws become contractual agreements weighted heavily in favour of producers.

With the increasing pressure for distance education and the concomitant need for library support from a distance, there is a strong push for electronic books and not just textbooks. Collection managers are finding ways to measure the cost benefits of these unproven e-books, and some libraries are developing projects designed to measure the acceptance and utility of e-books and the ways they can be read. It will be important to have impartial, carefully analysed results from these studies and not continue to rely on anecdotal evidence and marketing hype. There is too much at stake to do otherwise.

संग्रह प्रबन्धक और पुस्तकालय प्रशासकों के पास, व्यवहारिक व तत्कालिक रुप में, एलैक्ट्रॉनिक प्रकाशनों के साथ निबटने के अलावा कोई विकल्प नहीं था। निस्संदेह, उन्होंने एलैक्ट्रॉनिक संसाधनों के विकास को प्रोत्साहित किया है, जो वेब के लिये स्वाभाविक रूप से उपयुक्त हैं और पुस्तकालय उपयोग करने वालों को इंटरनेट सक्षमता, विश्व में कहीं भी सप्ताह के सातों दिनों, दिन के 24 घंटे कोई भी सामग्री पाने की स्वतन्त्रता दी है।

प्रकाशक, जो एलैक्ट्रॉनिक प्रकाशन के आर्थिक पहलु के बारे में अनिश्चित हैं, परन्तु आय और लाभ उपान्तों को कम नहीं होने देना चाहते हैं, अपने दृष्टिकोणों में पूर्णत्या लचकदार बने रहें। आंशिक रूप से इसलिये क्योंकि संग्रह प्रबन्धकों ने, यह मानते हुए कि वे गुफा के अंत पर प्रकाश देखेंगे, पुस्तकों और पत्रिकाओं के लगातार अतिशय मूल्य वृद्धि से राहत मांगना शुरु कर दिया है।

संग्रह प्रबन्धकों ने सीखा कि इकट्ठे दल बना कर, और दलों का अंतर्राष्ट्रीय संघ बना कर, वे कुछ नियन्त्रण कर सकते हैं, या एलैक्ट्रॉनिक पत्रिकाओं और एलैक्ट्रॉनिक संदर्भ कृतियों - अनुक्रमिका, सारांश, एनसायक्लोपीडिया और शब्द कोषों के लिये वे जो कीमत देते हैं, कम से कम उस पर प्रभाव डाल सकते हैं। एनसायक्लोपीडिया ब्रिटेनिका और ऑक्सफोर्ड इंगलिश डिक्शनरी आय स्त्रोतों के साथ उज्जवल एलैक्ट्रॉनिक भविष्य का दृश्य दिखाती है अब तक अकल्पनीय था। इसके साथ ही साथ, संग्रह प्रबन्धक, जब कीमत या लाइसेंस समझौते अस्वीकार्य होते हैं, न कहना सीख रहें हैं। परन्तु संग्रह प्रबन्धकों को सतर्कता बरतने की जरुरत है क्योंकि कापीराइट कानून संविदात्मक समझौते बन गये है जो उत्पादकों के पक्ष में भारित हैं।

दूर शिक्षा के लिये बढ़ते हुए दबाव और दूर से पुस्तकालय सहायता के लिये सहवर्ती जरुरत के साथ, सिर्फ पाठ्यपुस्तकों के लिये ही नहीं, एलैक्ट्रॉनिक पुस्तकों के लिये भी दबाव है। संग्रह प्रबन्धक इन अप्रमाणित इ-पुस्तकों की लागत लाभ को मापने के तरीके खोज रहे हैं, और कुछ पुस्तकालय इ-पुस्तकों की स्वीकार्यता एवं उपयोगिता मापन के लिये, और उनको पढ़ सकने की विधियों के लिये रुपांकित प्रोजेक्ट विकसित कर रहें हैं।

इन अध्ययनों से निष्पक्ष, सावधानी से विश्लेषण किये परिणाम प्राप्त करना महत्वपूर्ण होगा और दंतकथा सम्बंद्धी प्रमाणन और विपणन आधितय पर भरोसा न करते रहें। कुछ और कर सकने में अत्याधिक खतरा है।

1. Why have librarians encouraged the development of electronic resources ?
पुस्तकालय अध्यक्षों ने क्यों एलैक्ट्रॉनिक संसाधनों के विकास को प्रोत्साहित किया?

2. What is the policy that publishers will stick to even if they are not clear about economics of e-publishing ?
प्रकाशक कौनसी नीति को पकड़े रहते हैं चाहे वे इ-प्रकाशन के आर्थिक पहलु के बारे में स्पष्ट नहीं हैं।

3. Why publishers are flexible in pricing of e-literature ?
इ-साहित्य की कीमत तय करने के सम्बद्ध में प्रकाशक क्यों लचकदार होते हैं?

4. Which is the solution to the price problem that is acceptable to both the librarians and publishers ?
कीमत समस्या का क्या हल है जो कि पुस्तकालय अध्यक्ष एवं प्रकाशकों को स्वीकार्य होता है?

5. Which phenomenon is likely to go in favour of publishers in the future ?
कौनसा परिदृश्य भविष्य में प्रकाशकों के पक्ष में सम्भावत्या हो सकता है?

SECTION - II

खण्ड – II

Note : This section contains fifteen (15) question each to be answered in about thirty (30) words. Each question carries five (5) marks.

(5x15=75) marks)

नोट : इस खंड में पंद्रह (15) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंकों का है।

(5x15=75 अंक)

6. What are the different barriers of communication ?
सम्प्रेषण के भिन्न-भिन्न अवरोध क्या हैं?

7. Explain the importance of 'Library Cess' ?
'पुस्तकालय उपकर' का महत्व स्पष्ट करिये।

8. Distinguish between a Dictionary and a Glossary ?
शब्द कोष और शब्दावली के बीच अन्तर करिये।

9. Explain the concept of 'Information Repackaging' ?
'इनफोर्मेशन रिपेकैजिंग' की अवधारणा को स्पष्ट करिये।

10. State the significance of 'Decision Making Process' ?
'निर्णय लेने की प्रक्रिया' का महत्व बताइये।

11. Explain 'Cost – effective analysis' ?

'लागत–प्रभावी विश्लेषण' को समझाइये।

12. What do you mean by 'Teleconferencing' ?

'टेलीकान्फ्रेंसिंग' से आप क्या समझते हैं?

13. Explain the functions of 'Web Browsing'.
'वेब ब्राउज़िंग' के कार्य स्पष्ट करिये।

14. Mention the salient features of 'Open Source Software'.
'खुला स्त्रोत सॉफ्टवेयर' की मुख्य विशेषतायें बताइये।

15. State the importance of 'Style Mannual'.
'स्टाइल मैनुएल' का महत्व बताइये।

16. Distinguish between Use Studies and User Studies.
यूज़ स्ट्डीस् और यूज़र स्ट्डीस के बीच अन्तर करिये।

17. What is meant by TQM ?
'टी क्यू एम' से आप क्या समझते हैं ?

18. Explain the concept 'Digital Repository'.
'डिज़ीटल रिपोज़िटरी' की अवधारणा को स्पष्ट करिये।

19. Explain 'ISDN' ?
'आइ एस डी एन' की व्याख्या करिये ?

20. What is 'User Interface' ?
'यूज़र इन्टरफेस' (User Interface) क्या है ?

SECTION - III
खण्ड – III

Note : This section contains five (5) questions of twelve (12) marks each. Each question is to be answered in about two hundred (200) words.

(12x5=60 marks)

नोट : इस खंड में बारह-बारह (12) अंकों के पाँच (5) प्रश्न है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभगदो सौ (200) शब्दों में अपेक्षित है।

(12x5=60 अंक)

21. Explain the role of multimedia in libraries.
पुस्तकालयों में मल्टीमीडिया की भूमिका को स्पष्ट करिये।

22. Discuss the distinguishing features of CCF.
सी.सी.एफ. की प्रमुख विशेषताओं की विवेचना करिये।

23. Illustrate the different modes of formation of subjects.
विषय निरुपण की विभिन्न विधियों का उदाहरण सहित स्पष्ट करिये।

24. Explain the concept of 'Spiral of Scientific Method'.
'स्पायरल ऑफ सांइटीफिक मैथेड' की अवधारणा को स्पष्ट करिये।

25. Discuss the major steps involved in the evaluation of an IR Systems.
आइ आर पद्धति के मूल्यांकन से जुड़े मुख्य सौपानों की विवेचना करिये।

SECTION - IV
खण्ड – IV

Note : This section consists of one essay type question of forty (40) marks to be answered in about one thousand (1000) words on any of the following topics.

(40x1=40 marks)

नोट : इस खंड में चालीस (40) अंकों का एक निबन्धात्मक प्रश्न है जिसका उत्तर निम्नलिखित विषयों में से किसी एक पर, लगभग एक हजार (1000) शब्दों में अपेक्षित है।

(40x1=40 अंक)

26. Critically discuss the activities of major data networks in India.
भारत में मुख्य डेटा नेटवर्कों की गतिविधियों की आलोचनात्मक विवेचना करिये।

OR / अथवा

"The more things change, the more they remain the same. Inspite of electronic resources the reference librarian still depends on trditional reference sources available''- Comments on the statement.
वस्तुएं जितना ज्यादा परिवर्तित होती है, उतना वे वैसी ही बनी रहती हैं। एलैक्ट्रॉनिक संसाधनों के बावजूद, संदर्भ पुस्तकालयाध्यक्ष अभी भी उपलब्ध पारम्परिक संदर्भ स्त्रोतों पर निर्भर करते हैं।

OR / अथवा

Explain why have many university and college libraries still far away from library automation and networking despite the reasonably good support from the UGC.
यू.जी.सी. से काफी अच्छी सहायता मिलने के बावजूद कई विश्वविद्यालय और कालेज स्तरीय पुस्तकालय क्यों अभी भी पुस्तकालय स्वचालन् और नेटवर्किंग से दूर हैं, व्याख्या करिये।

FOR OFFICE USE ONLY							
Marks Obtained							
Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained
1		26		51		76	
2		27		52		77	
3		28		53		78	
4		29		54		79	
5		30		55		80	
6		31		56		81	
7		32		57		82	
8		33		58		83	
9		34		59		84	
10		35		60		85	
11		36		61		86	
12		37		62		87	
13		38		63		88	
14		39		64		89	
15		40		65		90	
16		41		66		91	
17		42		67		92	
18		43		68		93	
19		44		69		94	
20		45		70		95	
21		46		71		96	
22		47		72		97	
23		48		73		98	
24		49		74		99	
25		50		75		100	

Total Marks Obtained (in words) .....

(in figures) .....

Signature & Name of the Coordinator .....

(Evaluation) Date .....